था। ***तानसेन का मूल नाम रामतनु पांडेय*** था। *वह अकबर के नवरत्नों में से एक था। *अकबर के दरबार में आने से पहले तानसेन रीवा के राजा रामचंद्र के दरबार में था, जहां से अकबर ने उसे अपने दरबार में बुलवाया और बहुत उच्च स्थान प्रदान किया। *अकबर ने **तानसेन को 'कंठाभरणवाणीविलास' तथा 'मियां'** की उपाधि प्रदान की थी। ***विलास खां जहांगीर के दरबार** का प्रमुख संगीतज्ञ था। *शाहजहां के दरबार के प्रमुख गायक थे- जगन्नाथ, रामदास, सुखसेन, सूरसेन, लाल खां, दुरंग खां आदि। *मुहम्मदशाह 'रंगीला' के समय **'ख्याल'** गायन काफी लोकप्रिय हुआ।

*राजस्थान की प्रसिद्ध 'किशनगढ़ शैली' चित्रकला से संबंधित है। *यह शैली अपनी शृंगारिक चित्रों के लिए संपूर्ण भारत में जानी जाती है। *किशनगढ़ के राजा सामंत सिंह शृंगार प्रिय व अच्छे साहित्यकार थे, जो नागरीदास के नाम से प्रसिद्ध हुए। *'बनी-ठनी' (राधा) का सौन्दर्य इनके काव्य का आधार है। *इस शैली के प्रमुख कलाकार अमीरचंद, छोटू, भवानीदास, निहालचंद, सीताराम आदि हैं। *बनी-ठनी का प्रसिद्ध चित्र निहालचंद ने बनाया था, जो किशनगढ़ शैली में है।

प्रश्नकोश

1. मुगल चित्रकला के विषय में कौन-सा कथन सत्य है?

(a) युद्ध-दृश्य
(b) पशु-पक्षी और प्राकृतिक दृश्य
(c) दरबारी चित्रण
(d) उपर्युक्त सभी

U.P. P.C.S. (Pre) 1991

उत्तर—(d)

मुगल चित्रों में उपर्युक्त सभी विषयों से संबंधित चित्रों का चित्रण किया गया है। उस्ताद मंसूर पशु-पक्षी एवं प्राकृतिक दृश्यों के चित्रण में दक्ष था।

2. चित्रकला की मुगल शैली का प्रारंभ किया था—

(a) अकबर ने (b) हुमायूं ने
(c) जहांगीर ने (d) शाहजहां ने

U.P.P.C.S. (Mains) 2009
U.P.U.D.A./L.D.A. (Mains) 2010
U.P.P.C.S. (Mains) 2012

उत्तर—(b)

चित्रकला के क्षेत्र में मुगल शैली का प्रारंभ हुमायूं ने किया था। मुगल चित्रकला की नींव हुमायूं के शासनकाल में ही पड़ी। अपने फारस एवं अफगानिस्तान में निर्वासन काल में उसने मीर सैयद अली और अब्दुस्समद नामक दो फारसी चित्रकारों की सेवाएं प्राप्त कीं, जिनके द्वारा ही मुगल चित्रकला की शुरुआत की गई थी।

3. किस मुगल शासक ने चित्रकारी के लिए कारखाने बनवाए?

(a) हुमायूं (b) अकबर
(c) जहांगीर (d) शाहजहां
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

66th B.P.S.C. (Pre) 2020

उत्तर—(a)

हुमायूं ने चित्रकारी के लिए (एन.सी.ई.आर.टी के अनुसार, निगार खाना, जबकि अन्नू मनूजा की पुस्तक "A Critical Study of Mughal Paintings During Akbar's Reign" के अनुसार, तस्वीर-खाना) कारखाना बनवाया था, जो उसकी पुस्तकालय से जुड़ा था। ज्ञातव्य है कि बिहार लोक सेवा आयोग ने अपने प्रारंभिक उत्तर-पत्रक में इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (b) माना है।

4. चित्रकला की मुगल कलम भारतीय लघुचित्र कला की रीढ़ है। निम्नलिखित में से किस कलम पर मुगल चित्रकला का प्रभाव नहीं पड़ा?

(a) पहाड़ी (b) राजस्थानी
(c) कांगड़ा (d) कालीघाट

I.A.S. (Pre) 1995

उत्तर—(d)

मुगल चित्रकला ने पहाड़ी, राजस्थानी एवं कांगड़ा चित्रकला को प्रभावित किया था। किंतु कालीघाट चित्रकला पर मुगल प्रभाव नहीं पड़ा। इसने अपने प्रतिमान स्थानीय संदर्भों से ग्रहण किए हैं।

5. 'दास्तान-ए-अमीर हम्जा' का चित्रांकन किसके द्वारा किया गया?

(a) अब्दुस्समद
(b) मंसूर
(c) मीर सैयद अली
(d) अबुल हसन

46th B.P.S.C. (Pre) 2004

उत्तर—(a&c)

अकबर ने अनेक ग्रंथों को चित्रित करवाया था। इसमें सर्वप्रथम 'दास्तान-ए-अमीर हम्जा' है। यह हुमायूं के काल में चित्रित होना आरंभ हुआ और अकबर के शासनकाल में पूर्ण हुआ। बदायूंनी और शाह नवाज खां के अनुसार, इसे तैयार करने में लगभग 15 वर्ष लगे थे और पहले सैयद अली तथा बाद में अब्दुस्समद की देख-रेख में प्रायः 50 चित्रकारों ने इसे तैयार करने में हिस्सा लिया। इसमें करीब 1400 चित्र हैं। यह ग्रंथ फारसी नायक अमीर हम्जा (मुहम्मद साहब के चाचा) के वीरतापूर्ण कारनामों का उल्लेख करता है।

Scanned with OKEN Scanner

6. 'दसवंत और बसावन' प्रसिद्ध चित्रकार मुगल सम्राट के राजदरबारी थे-

(a) अकबर (b) जहांगीर
(c) शाहजहां (d) औरंगजेब
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

60th to 62nd B.P.S.C. (Pre) 2016

उत्तर–(a)

प्रश्नगत विकल्पों में दसवंत और बसावन अकबर कालीन चित्रकार थे। दसवंत, जो एक कहार का बेटा था, के काम से अकबर इतना प्रभावित हुआ था कि उसने इसे 'अपने समय के अग्रणी चित्रकार' बनने में सहयोग दिया। किंतु बाद में यह महान चित्रकार मानसिक रूप से विक्षिप्त हो गया और 1584 ई. में इसने आत्महत्या कर ली। अकबर कालीन चित्रकारों के नाम अबुल फजल ने अपनी पुस्तक 'आइने अकबरी' में गिनाए हैं- दसवंत, बसावन, केशव लाल, मुकुंद, मिस्किन, फार्रुख, जगन, महेश, खेमकरण, तारा, सांवल और हरिवंश आदि।

7. **यूरोपीय चित्रकारी (European paintings) का प्रवेश किसके दरबार में हुआ?**

(a) हुमायूं (b) अकबर
(c) जहांगीर (d) शाहजहां
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

63rd B.P.S.C. (Pre) 2017

उत्तर–(b)

अकबर के दरबार में यूरोपीय चित्रकला का प्रवेश पुर्तगालियों के माध्यम से हुआ था, जिनसे मुगल चित्रकारों ने दो विशेषताएं ग्रहण की थीं -
1. व्यक्ति विशेष का चित्रण,
2. दृश्य में आगे दिखने वाली वस्तुओं को छोटे आकार में बनाना। चित्रकला का विकास हुमायूं के शासनकाल में प्रारंभ हुआ। अकबर के शासनकाल में यूरोपीय चित्रकला का प्रभाव मुगल चित्रकला शैली पर पड़ा। अकबर के दरबार में मिस्किन एक यूरोपीय शैली का चित्रकार था। अकबर के समय दसवंत अग्रणी चित्रकार था। जहांगीर के शासनकाल को मुगल चित्रकला का स्वर्ण युग (स्वर्णकाल) कहा जाता है।

8. **निम्नलिखित में से कौन जहांगीरी चित्रकार थे? नीचे दिए कूट से सही उत्तर चुनिए–**

1. अब्दुस्समद 2. अबुल हसन
3. अक़ा रिज़ा 4. मीर सैयद अली

कूट :
(a) 1 एवं 2 (b) 2 एवं 3
(c) 3 एवं 4 (d) 4 एवं 1

U.P.P.C.S. (Pre) 2012

उत्तर–(b)

अबुल हसन, उस्ताद मंसूर, फार्रुख बेग, बिशनदास, अक़ा रिज़ा, मोहम्मद नादिर, मोहम्मद मुराद, मनोहर, माधव तथा गोवर्धन जहांगीर के समय के प्रमुख चित्रकार थे। मीर सैयद अली और अब्दुस्समद ने हुमायूं के समय में मुगल चित्रकला की आधारशिला रखी थी।

9. **मुगल चित्रकला ने किसके शासनकाल मे उन्नति की?**

(a) औरंगजेब (b) अकबर
(c) जहांगीर (d) शाहजहां

Uttarakhand Lower Sub. (Pre) 2010

उत्तर–(c)

मुगल चित्रकला जहांगीर के काल में अपने शिखर पर पहुंच गई थी। जहांगीर चित्रकला का एक कुशल पारखी था। मुगल शैली में मनुष्यों का चित्र बनाते समय एक ही चित्र में विभिन्न चित्रकारों द्वारा मुख, शरीर तथा पैरों को चित्रित करने का रिवाज था। जहांगीर का दावा था कि वह किसी भी चित्र में विभिन्न चित्रकारों के अलग-अलग योगदान को पहचान सकता था। शिकार, युद्ध तथा राज दरबार के दृश्यों को चित्रित करने के अलावा जहांगीर के काल में मनुष्यों तथा जानवरों के चित्रों को बनाने की कला में विशेष प्रगति हुई। अबुल हसन ने जहांगीर के सिंहासनारोहण का एक चित्र बनाया था, जिसे जहांगीर की आत्मकथा 'तुजुक-ए-जहांगीरी' के मुख्य पृष्ठ पर लगा दिया गया। इस प्रकार जहांगीर के काल को 'मुगल चित्रकला का स्वर्णयुग' कहा जाता है।

10. **जहांगीर ने मुख्यतया निम्नलिखित में से किस कला को संरक्षण दिया था?**

(a) चित्रकला (b) स्थापत्य कला
(c) मूर्तिकला (d) संगीत कला

U.P.P.C.S (Pre) 2016

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

11. **इनमें से किस मुगल सम्राट ने सचित्र पांडुलिपियों से ध्यान हटाकर चित्राधार (एलबम) और वैयक्तिक रूपचित्रों पर अधिक जोर दिया?**

(a) हुमायूं (b) अकबर
(c) जहांगीर (d) शाहजहां

I.A.S. (Pre) 2019

उत्तर–(c)

Scanned with OKEN Scanner

हुमायूं के समय से ही मुगलों ने चित्रकला में अभिरुचि दिखाई। हुमायूं और अकबर के समय में चित्रकारी के तहत मुख्यतः सचित्र पुस्तकों/पाण्डुलिपियों यथा- तूतीनामा, रज्मनामा, अनवार-ए-सुहेली आदि में प्राकृतिक दृश्यों, ज्यामितियों, दरबार और शिकार के दृश्यों का अंकन किया गया था। इसके विपरीत जहांगीर ने छवि चित्रण को सर्वाधिक महत्व दिया। स्वयं जहांगीर ने अकेले या नूरजहां के साथ, फारस के सम्राट, दरबारियों, पशु-पक्षियों आदि के अनेक वैयक्तिक रूपचित्र बनवाए तथा अनेक चित्राधारों (एलबम) का निर्माण करवाया।

12. 'पहाड़ी स्कूल', 'राजपूत स्कूल', 'मुगल स्कूल' और 'कांगड़ा स्कूल' निम्नलिखित में से किस कला की विभिन्न शैलियों को दर्शित करते हैं?

(a) शिल्पकला (b) चित्रकला
(c) नृत्य (d) संगीत

U.P. P.C.S. (Pre) 1994

उत्तर—(b)

पहाड़ी स्कूल, राजपूत स्कूल, मुगल स्कूल और कांगड़ा स्कूल मध्यकालीन चित्रकला की विभिन्न शैलियां हैं। 17वीं से 19वीं शताब्दी के दौरान पहाड़ी चित्रकला का विकास पश्चिमी हिमालय क्षेत्र के विभिन्न पहाड़ी शहरों जैसे-बसोहली, गुलेर, कांगड़ा, कुल्लू, चंबा आदि में हुआ था।

13. 'किशनगढ़' शैली किस कला के लिए प्रसिद्ध है?

(a) मंदिरकला (b) चित्रकला
(c) युद्ध शैली (d) मूर्तिकला
(e) इनमें से कोई नहीं

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2014

उत्तर—(b)

राजस्थान की प्रसिद्ध 'किशनगढ़ शैली' चित्रकला से संबंधित है। यह शैली अपनी शृंगारिक चित्रों के लिए संपूर्ण भारत में जानी जाती है।

14. निम्नलिखित में से कौन-सा एक संगीत वाद्य बजाने में औरंगजेब की दक्षता थी?

(a) सितार (b) पखावज
(c) वीणा (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P.P.C.S. (Mains) 2007
U.P.P.C.S. (Pre) 2010

उत्तर—(c)

औरंगजेब ने संगीत को इस्लाम विरोधी मानकर उस पर पाबंदी लगा दी, परंतु उसी के काल में फारसी भाषा में भारतीय शास्त्रीय संगीत पर सर्वाधिक पुस्तकें लिखी गईं। औरंगजेब संगीत विरोधी होने के बावजूद स्वयं एक कुशल वीणावादक था।

15. प्रातःकाल में गाया जाने वाला राग है—

(a) तोड़ी (b) दरबारी
(c) भोपाली (d) भीमपलासी

I.A.S. (Pre) 2000

उत्तर—(a)

'तोड़ी राग' प्रातःकालीन गाया जाने वाला एक राग है। यह राजदरबारों में भाटों एवं चारणों द्वारा गाया जाता था।

16. तानसेन, बैजू बावरा और गोपाल नायक जैसे संगीतज्ञों ने स्वामी हरिदास से प्रशिक्षण प्राप्त किया था। स्वामी हरिदास के अनुयायियों ने कितने संगीत अर्चना केंद्र स्थापित किए हैं?

(a) 5 (b) 4
(c) 3 (d) 2

U. P. P. C. S. (Pre) 2009

उत्तर—(a)

हरिदास संप्रदाय के संगीत अर्चना केंद्रों की संख्या 5 थी। स्वामी हरिदास ने ब्रज भाषा में अनेक ध्रुपदों की रचना की और उन्हें गेय रूप दिया। वे गायन और वादन दोनों कलाओं में प्रवीण थे। इनके अनेक शिष्य थे, जिनमें से तानसेन, बैजू बावरा, गोपाल नायक, मदनलाल आदि के नाम उल्लेखनीय हैं।

17. मियां तानसेन के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?

(a) सम्राट अकबर द्वारा इन्हें दी गई उपाधि तानसेन थी।
(b) तानसेन ने हिंदू देवी-देवताओं से संबंधित ध्रुपदों की रचना की।
(c) तानसेन ने अपने संरक्षकों से संबंधित गानों की रचना की।
(d) तानसेन ने अनेक रागों की मौलिक रचना की।

I.A.S. (Pre) 2019

उत्तर—(a)

तानसेन का मूल नाम राम तनु पांडेय था। उन्हें 'तानसेन' की उपाधि ग्वालियर/रीवा के राजा ने दी थी। मुगल बादशाह अकबर ने उन्हें 'मियां' की उपाधि प्रदान की थी। अतः कथन (a) त्रुटिपूर्ण है। इन्होंने हिंदू देवी-देवताओं से संबंधित कई ध्रुपदों की रचना की थी। तानसेन ने अपने संरक्षकों मुख्यतः रीवा के राजा रामचंद्र तथा मुगल बादशाह अकबर से संबंधित अनेक गानों की रचना की थी। इन्होंने संगीत की ध्रुपद शैली को लोकप्रिय बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया था।

Scanned with OKEN Scanner

18. अकबर के शासनकाल में ध्रुपद गायकों में सम्मिलित थे–
1. तानसेन 2. हरिदास
3. सूरदास 4. विलास खां
नीचे दिए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
कूट :
(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 1, 2 और 3 (d) सभी चारों

U.P. P.S.C. (GIC) 2010

उत्तर–(a)

अकबर के शासनकाल के दौरान तानसेन और स्वामी हरिदास प्रमुख ध्रुपद गायक थे। विलास खां जहांगीर के दरबार का प्रमुख संगीतज्ञ था।

19. प्रसिद्ध तानसेन का मकबरा स्थित है–
(a) आगरा में (b) ग्वालियर में
(c) झांसी में (d) जयपुर में

U.P. P.C.S. (Pre) 1999
M.P. P.C.S. (Pre) 1991
M.P.P.C.S. (Pre) 2010

उत्तर–(b)

तानसेन अकबर के दरबार के प्रसिद्ध संगीतज्ञ थे। इनका मूल नाम रामतनु पांडेय था। वह अकबर के नवरत्नों में से एक थे। अकबर के दरबार में आने से पहले तानसेन रीवा (भाटा क्षेत्र) के राजा रामचंद्र के दरबार में थे, जहां से अकबर ने उन्हें अपने दरबार में बुलवाया और बहुत उच्च स्थान प्रदान किया। अकबर ने तानसेन को 'कंठाभरणवाणीविलास' तथा 'मियां' की उपाधि प्रदान की थी। उन्होंने राजा मानसिंह द्वारा स्थापित ग्वालियर स्कूल में शिक्षा प्राप्त की थी। उनका मकबरा ग्वालियर में स्थित है।

20. तानसेन का मूल नाम था–
(a) मकरचंद्र पांडेय (b) रामतनु पांडेय
(c) लाला कलावंत (d) बाज बहादुर

M.P.P.C.S. (Pre) 2013

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

21. निम्नलिखित राजाओं में से किसने अकबर के पूर्व तानसेन को संरक्षण दिया था?
(a) भाटा का राजा रामचंद्र सिंह
(b) मालवा का राजबहादुर
(c) मेवाड़ का उदय सिंह
(d) गुजरात का मुजफ्फर शाह

U.P.P.C.S. (Pre) 2019

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

22. निम्नलिखित में से कौन हिंदुस्तानी संगीत के क्षेत्र में महान विभूति नहीं था?
(a) राजा मानसिंह तोमर
(b) तानसेन
(c) सदारंग-अदारंग
(d) माल गुर्जरी

U.P.R.O./A.R.O (Mains) 2021

उत्तर–(d)

राजा मानसिंह तोमर, तानसेन एवं सदारंग-अदारंग हिंदुस्तानी संगीत के क्षेत्र में महान विभूति थे, जबकि माल गुर्जरी संगीत के रागों में एक राग है, जिसका सृजन राजा मानसिंह तोमर ने किया था।

23. निम्नलिखित में से किस मुगल शासक ने लाला कलावंत से हिंदू संगीत की शिक्षा ली?
(a) हुमायूं (b) जहांगीर
(c) अकबर (d) शाहजहां

U.P.P.C.S (Pre) 2016

उत्तर–(c)

मुगल शासक अकबर नगाड़ा बजाने में प्रवीण था। इसने लाला कलावंत से हिंदू संगीत की शिक्षा ली थी।

मुगलकालीन साहित्य

नोट्स

*गुलबदन बेगम बाबर की पुत्री थी। *उसका जन्म 1523 ई. में तथा मृत्यु 1603 ई. में हुई थी। *उसने अपनी प्रसिद्ध रचना **'हुमायूंनामा'** में ऐतिहासिक विवरण लिखे। *अकबर उसका बहुत सम्मान करता था। *गुलबदन बेगम ने स्वयं लिखा है कि उसने अकबर के आदेश पर बाबर और हुमायूं का इतिहास अपनी स्मृति से लिखा था। *गुलबदन बेगम ने अपनी इस रचना में हुमायूं और कामरान के मध्य युद्ध का भी वर्णन किया है।

***माहम अनगा** ने दिल्ली में पुराने किले के सामने **'खैरुल मनजिल'** अथवा **'खैर-उल मनजिल'** नामक **मदरसे की स्थापना** कराई थी, जिसे **'मदरसा-ए-बेगम'** भी कहा जाता था। *संस्कृत ग्रंथ हितोपदेश का फारसी भाषा में अनुवाद 1450 ई. के आस-पास 'ताज-अल-दिन मुफ्ती अल मलीकी' द्वारा 'मुफरिह-अल-कुबाल' नाम से किया गया था। ताज-अल-दिन मुफ्ती अल-मलीकी को ही त्रुटि वश कुछ पुस्तकों में ताजुल माली लिखा गया है।

Scanned with OKEN Scanner